श्रमिक अपने अधिकार और जीवन को श्रेष्ट बनाने की पहल करें - उषा बहन
अन्तर्राष्ट्रीय श्रमिक दिवस पर नशा और बुराईयों से दूर रहने का आह्वान

आबू रोड, 1 मई, निसं। अन्तर्राष्ट्रीय श्रमिक दिवस पर ब्रह्माकुमारीज संस्था के शांतिवन स्थित डायमंड हॉल में श्रमिकों के लिए कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में उपस्थित श्रमिकों को सम्बोधित करते हुए जीवन प्रबन्धन विशेषज्ञ बीके उषा ने कहा कि बिना श्रमिकों के देश का विकास सम्भव नहीं है। श्रमिक केवल श्रमिक नहीं बल्कि देश के विकास के विकास पुरूष हैं। अपने अधिकारों के साथ जीवन को श्रेष्ठ बनाने का भी प्रयास करना चाहिए। इसलिए अपने खून और पसीने से केवल कुछ पैसे ही ना कमाये बल्कि जीवन को सुव्यवस्थित करने का भी प्रयास करें।

आगे उन्होंने कहा कि देखा गया है कि श्रमिक मेहनत करके पैसे तो कमाते है परन्तु अधिकतर पैसा व्यसनों में गंवा देता है। इससे ना केवल उनका विकास अवरूद्ध होता है बल्कि उसके स्वास्थ्य और बच्चों पर भी बुरा असर पड़ता है। श्रमिकों के हित के लिए सरकार ने भी कई प्रकार की योजनायें चलायी है उसके बारे में भी जागरूक होना चाहिए।

कार्यक्रम में लंदन से आये हाईजैनिक तथा स्वच्छता विशेषज्ञ अरूण ने कहा कि अधिकतर मेहनत वाले कार्य करने वाले परिवारों में स्वच्छता पर विशेष ध्यान नहीं रहता है। इसलिए वहॉ अधिक बीमारियां फैलती है। इसलिए हमें स्वच्छता को भी बढ़ावा देना चाहिए। यह छोटे बच्चों से लेकर बड़े बुजुर्गों को भी इसके प्रति गम्भीर होना चाहिए। इसलिए अपने आस पास स्वच्छता का विशेष ध्यान रखें।

इस अवसर पर ज्ञानामृत के प्रधान सम्पादक बीके आत्म प्रकाश ने कहा कि जैसा संग वैसा रंग। इसका हमें विशेष ध्यान रखना चाहिए। सदैव अच्छे लोगों का संग हमें श्रेष्ठ मार्ग की ओर प्रेरित करता है। ब्रह्माकुमारीज संस्थान में परमात्मा का संग और राजयोग की विद्या स्वच्छता और श्रेष्ठता का मार्ग दिखाती है। इसलिए जीवन में राजयोग का अभ्यास जरूर करें।

श्रमिकों को प्रेरणा देते हुए सोशल एक्टिविटी ग्रुप के अध्यक्ष बीके भरत ने कहा कि हमारा प्रयास है कि सभी इतने सशक्त हो जायें कि उनके जीवन में हर तरह की सम्पन्नता आ जाये। इसलिए अपने एक एक क्षण को सफल करना चाहिए ताकि उसका सदुपयोग हो सके। इस कार्यशाला में बीके भानू, बीके मोहन, बीके अमरदीप, बीके धीरज समेत कई लोग उपस्थित थे।

कराया संकल्प: इस अवसर पर श्रमिकों को नशामुक्ति तथा स्वच्छता के प्रति सजग रहने के लिए संकल्प और प्रतिज्ञा करायी गयी। जिसमें सभी श्रमिकों को इसके प्रति गम्भीरता दिखायी।